भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग

प्रेस विज्ञप्ति
तारीखः 31 दिसंबर, 2025
जारी करने का समय: 1500 घंटे

विषय: (i) पश्चिमी विक्षोभ के असर से, अगले 2 दिनों के दौरान पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में हल्की से मध्यम बारिश/बर्फबारी होने की बहुत संभावना है, साथ ही 31 दिसंबर 2025 को कश्मीर घाटी में कुछ जगहों पर भारी बारिश हो सकती है।
(ii) ओडिशा, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली में 05 तारीख तक; पूर्वी उत्तर प्रदेश में 02 तारीख तक; पश्चिमी राजस्थान में 03 तारीख 2026 तक रात/सुबह के घंटों में घना से बहुत घना कोहरा छाए रहने की बहुत संभावना है।
(iii) 31 दिसंबर को पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल और सिक्किम, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में; 01 जनवरी को पंजाब और हरियाणा चंडीगढ़ और दिल्ली में; 31 दिसंबर और 01 जनवरी 2026 को बिहार में कुछ जगहों पर शीत दिवस की स्थिति रहने की बहुत संभावना है।

पिछले 24 घंटों में हुई मौसम गतिविधि (आज 31 दिसंबर 2025 को सुबह 0830 बजे IST तक):

- उत्तराखंड, पंजाब, उत्तर प्रदेश, ओडिशा, हरियाणा, मेघालय के कुछ हिस्सों में घने से बहुत घने कोहरे (दृश्यता <50 मीटर) की स्थिति बनी रही; घना कोहरा (दृश्यता 50-199 मीटर): जम्मू, गंगीय पश्चिम बंगाल, बिहार, मध्य प्रदेश और असम के अलग-अलग इलाकों में छाया रहा।
- मीटर में दृश्यता दर्ज की गई (≤200 मीटर): जम्मू: जम्मू हवाई अड्डा (50 मीटर); उत्तराखंड: हरिद्वार(30मी), कटिमा(100मी); पंजाब: अमृतसर, लुधियाना, पटियाला, हलवारा-(0एम); हरियाणा चंडीगढ़ और दिल्ली: अंबाला, हिसार, भिवानी (0M); पश्चिम उत्तर प्रदेश: हिंडन (IAF), सहारनपुर IAF और आगरा IAF-(0M), आगरा ताज-(20M), हमीरपुर, बरेली और अलीगढ़-(30M), एम्स अलीगढ़, इटावा और शाहजहाँपुर-(50M), मेरठ-(100M); पूर्वी उत्तर प्रदेश: बाराबंकी और प्रयागराज (IAF) - (0M), फ़तेहपुर और कानपुर शहर - (10M), फुर्सतगंज और प्रयागराज - (20M), फतेहगढ़, लखनऊ AP और वाराणसी AP- (50M), वाराणसी भु और हरदोई - (60M), सुल्तानपुर - (80M), गोरखपुर ओबी - (150M); पश्चिम मध्य प्रदेश: ग्वालियर (0M), दतिया (50M); पूर्वी मध्य प्रदेश: खजुराहो (50 मीटर), सतना (50 मीटर); दिल्ली: सफदरजंग (50 मीटर), पालम (50 मीटर); असम और मेघालय: शिलांग (30 मीटर), डिब्रूगढ़ (100 मीटर), तेजपुर (100 मीटर), सोहरा (100 मीटर)
- पूर्वी उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों में ठंडे दिन से लेकर गंभीर ठंडे दिन की स्थिति बनी रही और बिहार और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में ठंडे दिन की स्थिति बनी रही।
- तेलंगाना में अलग-अलग स्थानों पर शीत लहर की स्थिति देखी गई।

मौसम प्रणालियाँ, पूर्वानुमान एवं चेतावनी (अनुलग्नक I एवं II देखें):

- पश्चिमी विक्षोभ अब उत्तरी पाकिस्तान और उससे सटे अफगानिस्तान के ऊपर निचले ट्रोपोस्फेरिक स्तर में एक ऊपरी हवा के चक्रवाती परिसंचरण के रूप में देखा जा रहा है, जिसके ऊपर मध्य ट्रोपोस्फेरिक स्तर में एक ट्रफ है, जिसका अक्ष मध्य ट्रोपोस्फेरिक स्तर में लगभग देशांतर 60°E के साथ अक्षांश 28°N के उत्तर में है।
- एक प्रेरित ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण उत्तरी हरियाणा और आसपास के इलाकों में निचले ट्रोपोस्फेरिक स्तर तक फैला हुआ है।

- ❖ उपोष्णकटिबंधीय पछुआ जेट स्ट्रीम, जिसकी मुख्य हवाएँ समुद्र तल से 12.6 किमी ऊपर 150 समुद्री मील की गति से चल रही हैं, दक्षिणी पंजाब और आसपास के इलाकों में फैली हुई है।
- ❖ एक ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण श्रीलंका के तटों से दूर दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के ऊपर निचले ट्रोपोस्फेरिक स्तर तक फैला हुआ है।

इन प्रणालियों के प्रभाव में, निम्नलिखित मौसम की संभावना है:

- ❖ 31 दिसंबर और 1 जनवरी को जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद में काफी व्यापक से लेकर व्यापक भारी बारिश/बर्फबारी होने की बहुत संभावना है और 31 दिसंबर-02 जनवरी 2026 के दौरान हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में छिटपुट से लेकर काफी व्यापक हल्की/मध्यम बारिश/बर्फबारी होने की संभावना है।
- ❖ 31 दिसंबर, 2025 को कश्मीर घाटी में अलग-अलग जगहों पर भारी बारिश/बर्फबारी होने की बहुत संभावना है।
- ❖ 31 और 01 जनवरी को पंजाब, हरियाणा चंडीगढ़ और राजस्थान में और 1 जनवरी 2026 को पश्चिमी उत्तर प्रदेश और दिल्ली में अलग-अलग जगहों पर हल्की बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 31 दिसंबर और 01 जनवरी 2026 के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह और तमिलनाडु में तेज़ हवाओं (30-40 किमी प्रति घंटा) के साथ अलग-अलग जगहों पर गरज और बिजली चमकने की संभावना है और 31 दिसंबर 2025 को तमिलनाडु में भारी बारिश होने की संभावना है।

पिछले 24 घंटों में तापमान की स्थिति (आज सुबह 0830 बजे IST तक):

- ❖ जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद में कई जगहों पर न्यूनतम तापमान 4°C से नीचे था; हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश, उत्तरी राजस्थान, उत्तर प्रदेश, गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, ओडिशा में कई जगहों पर और मध्य महाराष्ट्र, बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़, मेघालय और तेलंगाना में कुछ जगहों पर तापमान 4°-10°C के बीच था।
- ❖ गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल में कुछ जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से काफी कम (-5.0°C से -3.1°C) था; पूर्वी मध्य प्रदेश के मध्य भागों में कुछ जगहों पर; उत्तरी आंतरिक ओडिशा, छत्तीसगढ़, झारखंड, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक और तेलंगाना में कुछ जगहों पर और उत्तर प्रदेश, आंतरिक कर्नाटक और मध्य महाराष्ट्र और कोंकण और गोवा में कुछ जगहों पर सामान्य से कम (-3.0°C से -1.6°C) था। (अनुलग्नक IV देखें)
- ❖ भारत के मैदानी इलाकों में सबसे कम न्यूनतम तापमान 4.2°C रोहतक (हरियाणा), अंबिकापुर (छत्तीसगढ़) खजुराहो (पूर्वी मध्य प्रदेश) में दर्ज किया गया।

न्यूनतम तापमान का पूर्वानुमान:

- ❖ अगले 2 दिनों के दौरान उत्तर-पश्चिम भारत में न्यूनतम तापमान में 2-4°C की धीरे-धीरे बढ़ोतरी होने की बहुत संभावना है और उसके बाद अगले 3 दिनों तक 2-4°C की गिरावट आएगी और उसके बाद कोई खास बदलाव नहीं होगा।
- ❖ अगले 3 दिनों के दौरान मध्य भारत में न्यूनतम तापमान में 2-3°C की धीरे-धीरे बढ़ोतरी होने की बहुत संभावना है और उसके बाद अगले दिनों में 2-4°C की गिरावट आएगी।
- ❖ अगले 3 दिनों के दौरान पूर्वी भारत में न्यूनतम तापमान में 2-3°C की धीरे-धीरे बढ़ोतरी होने की बहुत संभावना है और उसके बाद कोई खास बदलाव नहीं होगा।
- ❖ महाराष्ट्र में अगले 2 दिनों के दौरान न्यूनतम तापमान में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है और उसके बाद अगले 4 दिनों तक 2-3°C की बढ़ोतरी होगी और उसके बाद दक्षिण महाराष्ट्र में अगले 4 दिनों तक 2-3°C की बढ़ोतरी होगी।
- ❖ गुजरात में अगले 24 घंटों के दौरान न्यूनतम तापमान में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है और उसके बाद अगले 2 दिनों तक 2-3°C की गिरावट आएगी और उसके बाद अगले 5 दिनों तक 2-3°C की बढ़ोतरी होगी।
- ❖ अगले 7 दिनों के दौरान पूर्वोत्तर भारत में न्यूनतम तापमान में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है।

घने कोहरे, शीतलहर और शीत दिवस की चेतावनी:

- ओडिशा, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली में 05 तारीख तक; पूर्वी उत्तर प्रदेश में 02 तारीख तक; पश्चिमी राजस्थान में 03 तारीख 2026 तक रात/सुबह के घंटों में घना से बहुत घना कोहरा छाए रहने की बहुत ज़्यादा संभावना है।
- जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद और झारखंड के अलग-अलग इलाकों में 02 तारीख तक; हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम, असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिज़ोरम और त्रिपुरा में 05 तारीख तक; उत्तर प्रदेश, बिहार, पंजाब और हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली में 7 तारीख तक; पश्चिमी राजस्थान में 04 तारीख तक; पूर्वी राजस्थान में 02-04 तारीख के दौरान; मध्य प्रदेश में 01 तारीख तक और 04 और 05 तारीख के दौरान; गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल में 03 जनवरी 2026 तक रात/सुबह के घंटों में घना कोहरा छाए रहने की भी संभावना है।
- पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल और सिक्किम, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में 31 दिसंबर को; पंजाब और हरियाणा चंडीगढ़ और दिल्ली में 01 जनवरी को; बिहार में 31 दिसंबर और 01 जनवरी 2026 को अलग-अलग इलाकों में शीत दिवस की स्थिति रहने की बहुत ज़्यादा संभावना है।
- हिमाचल प्रदेश में 02-04 तारीख के दौरान; पंजाब और हरियाणा चंडीगढ़ और दिल्ली में 03-05 तारीख के दौरान; राजस्थान में 05 और 06 तारीख को; तेलंगाना में 01 जनवरी 2026 को अलग-अलग इलाकों में शीत लहर की स्थिति रहने की बहुत ज़्यादा संभावना है।

मछुआरों की चेतावनी:

- मछुआरों को सलाह दी जाती है कि वे 31 दिसंबर से 05 जनवरी, 2026 के दौरान निम्नलिखित क्षेत्रों में न जाएं:
  बंगाल की खाड़ी: मन्नार की खाड़ी और आसपास के इलाकों में, कोमोरिन क्षेत्र के कुछ हिस्सों में 02 से 05 जनवरी 2026 के दौरान; सोमालिया तट के साथ 01 से 05 जनवरी 2026 के दौरान; और 31 दिसंबर 2025 को उत्तरी ओमान तट के पास न जाएं।

दिल्ली/एनसीआर में 31 दिसंबर-03 जनवरी 2025 तक मौसम की स्थिति और पूर्वानुमान (अनुलग्नक III)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forcast_bulletin.php

जिला-वार चेतावनियों के लिए: https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

मछुआरों की चेतावनी के लिए: https://rsmcnewdelhi.imd.gov.in/fishermen-warning.php

Table-1								
7 Days Rainfall Forecast								
S.No.	**Subdivision**	**31- Dec**	**1- Jan**	**2- Jan**	**3- Jan**	**4- Jan**	**5- Jan**	**6- Jan**
		Day 1	**Day 2**	**Day 3**	**Day 4**	**Day 5**	**Day 6**	**Day 7**
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY
2	ARUNACHAL PRADESH	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
3	ASSAM & MEHGHALAYA	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL	DRY	DRY
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	ISOL	ISOL	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
6	GANGETIC WEST BENGAL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
7	ODISHA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
8	JHARKHAND	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
9	BIHAR	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
10	EAST UTTAR PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
11	WEST UTTAR PRADESH	DRY	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
12	UTTARAKHAND	SCT	SCT	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	SCT	SCT	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
14	PUNJAB	SCT	SCT	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
15	HIMACHAL PRADESH	SCT	FWS	ISOL	DRY	DRY	ISOL	ISOL
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	WS	FWS	ISOL	DRY	DRY	ISOL	SCT
17	WEST RAJASTHAN	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
18	EAST RAJASTHAN	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
19	WEST MADHYA PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
20	EAST MADHYA PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
21	GUJRAT REGION	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
22	SAURASHTRA & KUTCH	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
23	KONKAN & GOA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
24	MADHYA MAHARASHTRA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
25	MARATHWADA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
26	VIDARBHA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
27	CHHATTISGARH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
29	TELANGANA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
30	RAYALASEEMA	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	ISOL	SCT	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY
32	COSTAL KARNATAKA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
35	KERALA AND MAHE	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY
36	LAKSHADWEEP	SCT	SCT	SCT	SCT	DRY	DRY	DRY

- **जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।**

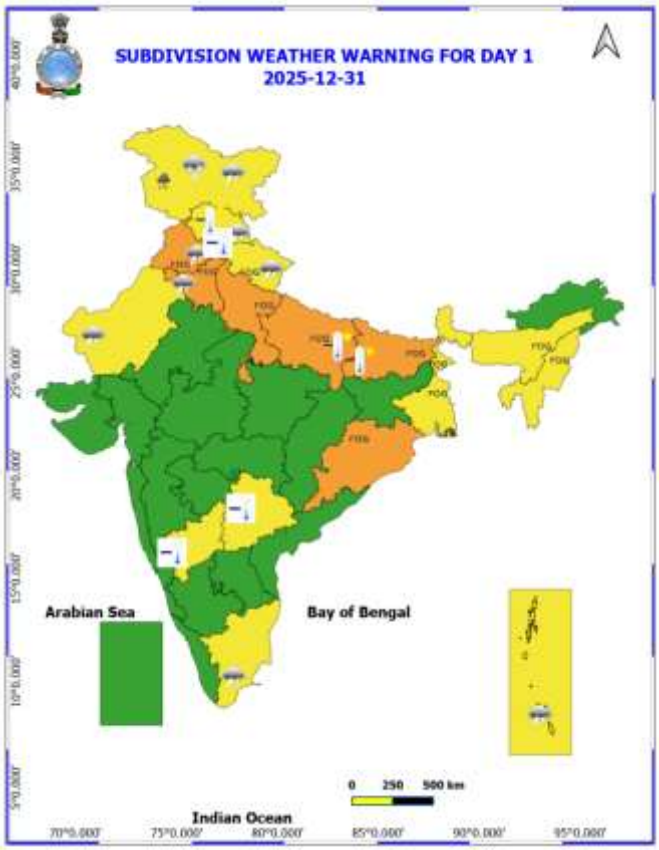
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 1
2025-12-31
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

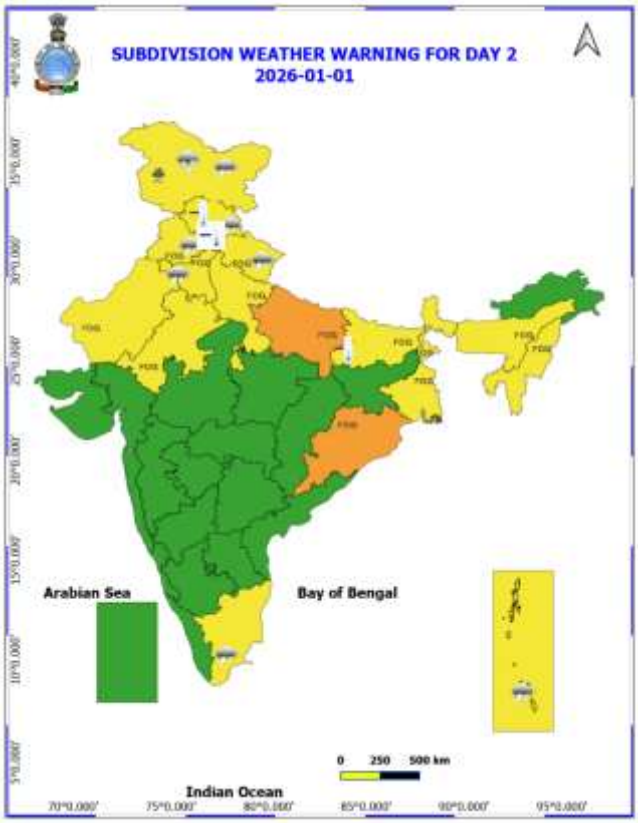
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 2
2026-01-01
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

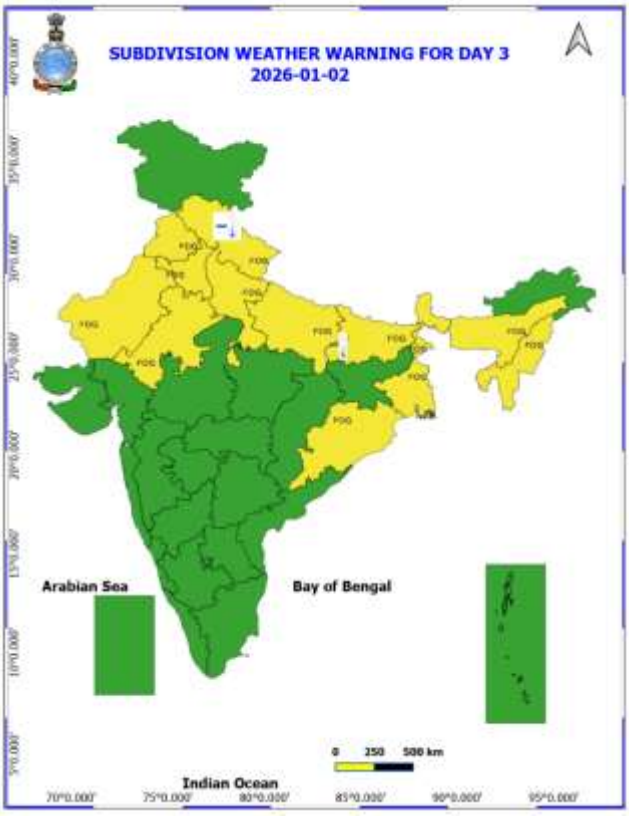
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 3
2026-01-02
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

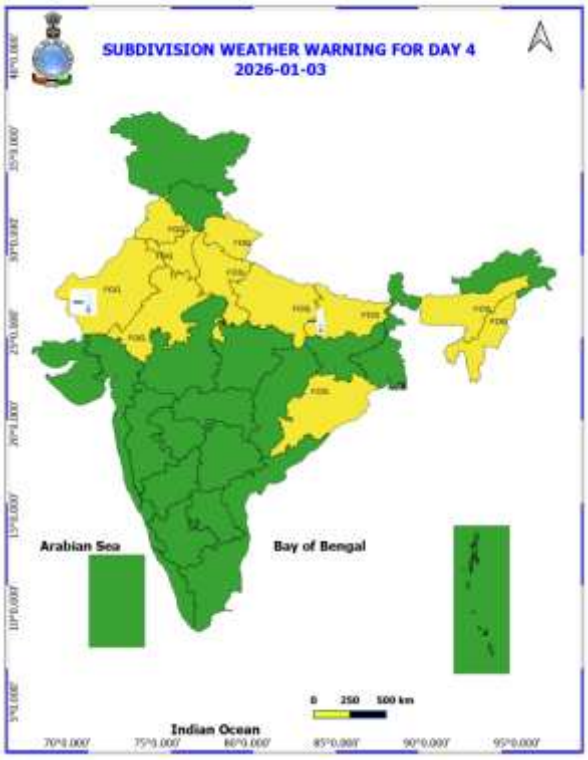

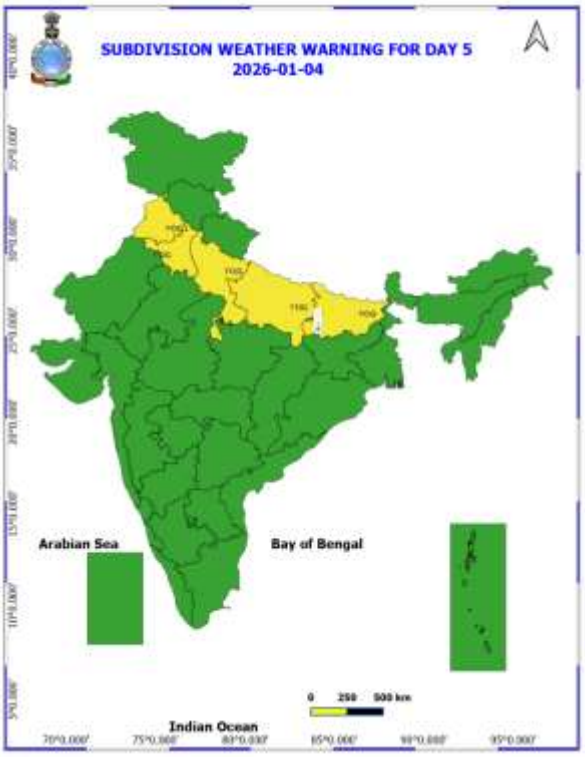

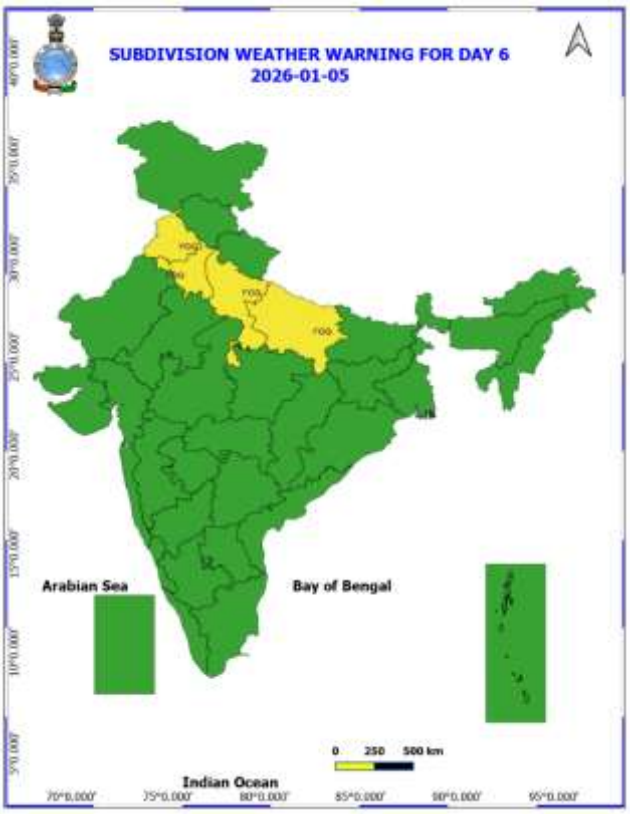

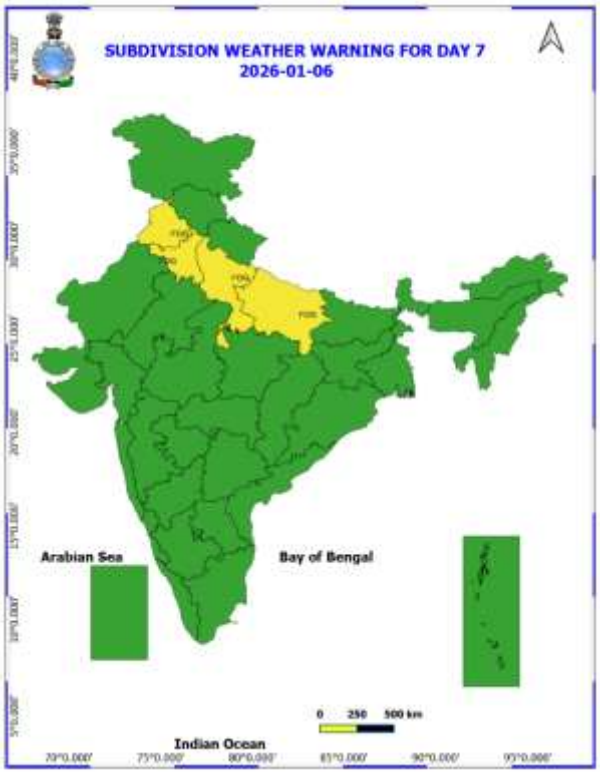

- **नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।**
- **असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।**
- **जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।**

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

अनुलग्नक III

31 दिसंबर से 03 जनवरी 2026 के दौरान दिल्ली/NCR का मौसम पूर्वानुमान

पिछला मौसम:

पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में न्यूनतम तापमान में 1-3°C की गिरावट और अधिकतम तापमान में लगभग 1-2°C की बढ़ोतरी हुई है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 17°C से 22°C और 06°C से 08°C के आसपास रहा। दिल्ली के अधिकांश स्थानों पर न्यूनतम तापमान सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) है। अधिकतम तापमान कुछ जगहों पर सामान्य से कम (-1.6 से -3.0°C) और कुछ जगहों पर सामान्य से अधिक (1.6 से 3.0°C) और दिल्ली के बाकी स्थानों पर सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) रहा। सफदरजंग में 0630 से 0730 IST तक घने कोहरे में सबसे कम विजिबिलिटी 050m दर्ज की गई, जो इसके बाद आज, 31.12.2025 को 0800 IST पर 100m हो गई। पालम में 0400 से 0730 IST तक घने कोहरे में सबसे कम विजिबिलिटी 050m दर्ज की गई, जो इसके बाद आज, 31.12.2025 को 0800 IST पर 150m हो गई। पिछले 24 घंटों के दौरान आंशिक रूप से बादल छाए रहे, मध्यम से घना कोहरा रहा और सतह पर हवा दक्षिण-पश्चिम दिशा से 16 किमी प्रति घंटे की गति से चली। आंशिक रूप से बादल छाए रहे। आज सुबह तक मध्यम से घना कोहरा रहा और क्षेत्र में सुबह के समय दक्षिण-पूर्व दिशा से 12 किमी प्रति घंटे की गति से हवा चली।

मौसम पूर्वानुमान:

31.12.2025: आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। कुछ जगहों पर ठंडा दिन रहेगा। शाम/रात के दौरान धुंध/हल्का कोहरा रहेगा। अधिकतम तापमान 14°C से 16°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम तापमान सामान्य से काफी कम रहेगा। दोपहर के समय सतह पर हवा मुख्य रूप से दक्षिण-पूर्व दिशा से 10 किमी प्रति घंटे से कम गति से चलने की संभावना है। शाम और रात के दौरान हवा की गति कम हो जाएगी, जो पूर्व दिशा से 05 किमी प्रति घंटे से कम हो जाएगी।

01.01.2026: आमतौर पर आसमान में बादल छाए रहेंगे। कुछ जगहों पर बहुत हल्की से हल्की बारिश की संभावना है। सुबह के समय हल्का से मध्यम कोहरा रहेगा। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 14°C से 16°C और 9°C से 11°C के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक (2°C से 4°C) और अधिकतम तापमान दिल्ली में सामान्य से काफी कम रहेगा। सुबह के समय हवा शांत रहने के साथ मुख्य सतही हवा दक्षिण-पूर्व दिशा से चलने की संभावना है, जिसकी गति 05 किमी प्रति घंटे तक हो सकती है। दोपहर में हवा की गति बढ़ेगी और उत्तर-पूर्व दिशा से 10 किमी प्रति घंटे से कम हो जाएगी। शाम और रात के दौरान हवा की गति कम हो जाएगी, जो उत्तर दिशा से 05 किमी प्रति घंटे से कम हो जाएगी।

02.01.2026: आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। सुबह के समय कई जगहों पर मध्यम कोहरा और कुछ जगहों पर घना कोहरा रहेगा। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 16°C से 18°C और 09°C से 11°C के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक (2°C से 4°C) और अधिकतम तापमान दिल्ली में सामान्य के आसपास रहेगा। सुबह के समय मुख्य सतही हवा उत्तर-पश्चिम दिशा से चलने की संभावना है, जिसकी गति 10 किमी प्रति घंटे से कम होगी। दोपहर में हवा की गति बढ़ेगी और उत्तर-पश्चिम दिशा से 12 किमी प्रति घंटे हो जाएगी। शाम/रात के दौरान हवा की गति कम हो जाएगी, जो पश्चिम-उत्तर-पश्चिम दिशा से 05 किमी प्रति घंटे से कम हो जाएगी।

03.01.2026: मुख्य रूप से आसमान साफ रहेगा। सुबह के समय कई जगहों पर मध्यम कोहरा और कुछ जगहों पर घना कोहरा रहेगा। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 16°C से 18°C और 07°C से 09°C के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान और अधिकतम तापमान दिल्ली में सामान्य के आसपास रहेगा। ज़्यादातर सतह पर हवा उत्तर-पश्चिम दिशा से चलने की संभावना है, सुबह के समय हवा की गति धीरे-धीरे बढ़कर 10 kmph तक पहुँच जाएगी। दोपहर में हवा की गति कम होकर उत्तर-पश्चिम दिशा से 05 kmph से कम हो जाएगी और शाम/रात में पश्चिम दिशा से 05 kmph तक रहेगी।

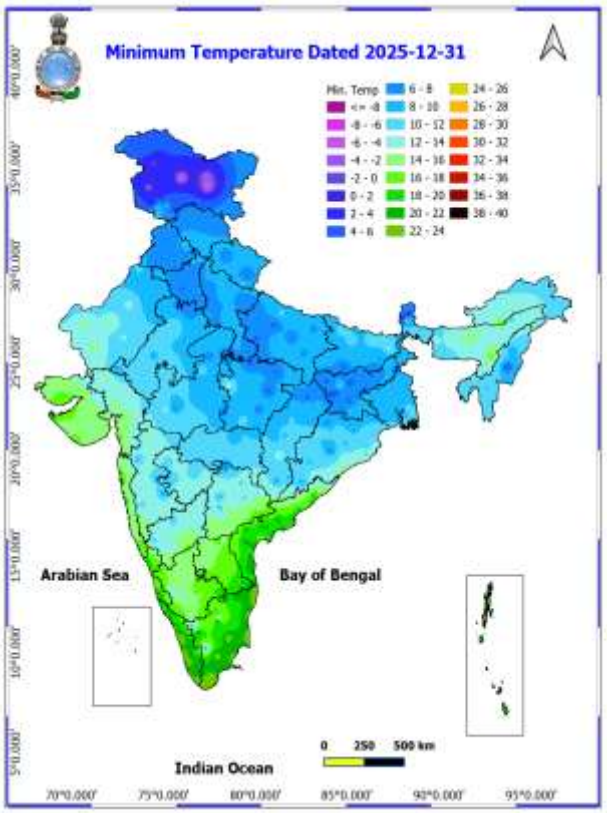

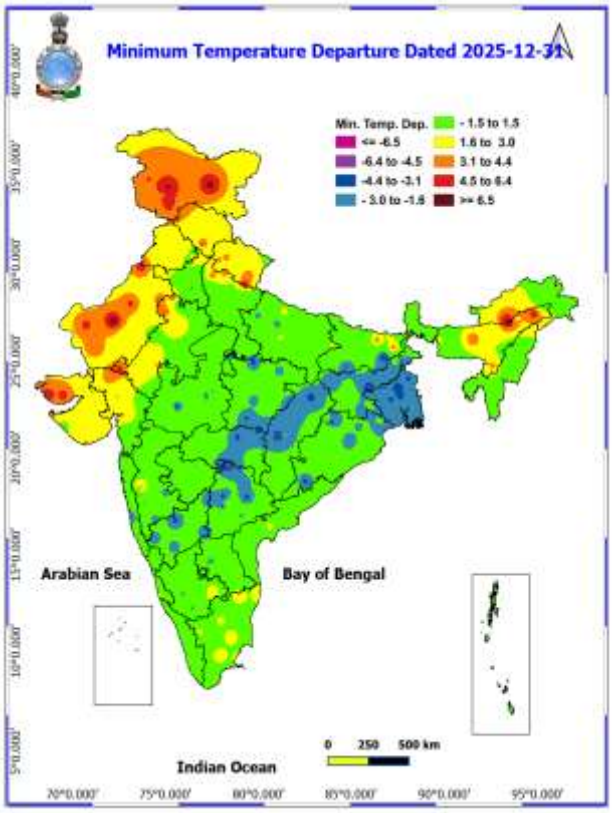

रात/सुबह के समय घने/बहुत घने कोहरे के कारण प्रभाव पड़ने की आशंका है:

- ओडिशा, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली में 05 तारीख तक; पूर्वी उत्तर प्रदेश में 02 तारीख तक; पश्चिमी राजस्थान में 03 तारीख 2026 तक रात/सुबह के घंटों में घना से बहुत घना कोहरा छाए रहने की बहुत अधिक संभावना है।
- जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद और झारखंड के अलग-अलग इलाकों में 02 तारीख तक; हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम, असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 05 तारीख तक; उत्तर प्रदेश, बिहार, पंजाब और हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली में 7 तारीख तक; पश्चिमी राजस्थान में 04 तारीख तक; पूर्वी राजस्थान में 02-04 तारीख के दौरान; मध्य प्रदेश में 01 तारीख तक और 04 और 05 तारीख के दौरान; गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल में 03 जनवरी 2026 तक रात/सुबह के घंटों में घना कोहरा छाए रहने की भी संभावना है।

- परिवहन और विमानन:
  - मौसम उप-विभाग के अंतर्गत आने वाले कुछ हवाई अड्डों, राजमार्गों और रेलवे मार्गों पर इसका प्रभाव पड़ सकता है।
  - यातायात कठिन हो सकता है और यात्रा में अधिक समय लग सकता है।
  - एहतियाती उपाय न अपनाने पर सड़क दुर्घटनाएं हो सकती हैं।

- बिजली क्षेत्र:
  - बहुत घने कोहरे वाले मार्गों में बिजली लाइनों के ट्रिप होने की संभावना।

- मानव स्वास्थ्य:

• फेफड़ों से संबंधित स्वास्थ्य प्रभाव: घने कोहरे में कणिका तत्व और अन्य प्रदूषक होते हैं और इनके संपर्क में आने पर ये फेफड़ों में जमा हो जाते हैं, उन्हें अवरुद्ध कर देते हैं और उनकी कार्यात्मक क्षमता को कम कर देते हैं जिससे घरघराहट, खांसी और सांस लेने में तकलीफ बढ़ जाती है।

• अस्थमा, ब्रोंकाइटिस से पीड़ित लोगों पर प्रभाव: लंबे समय तक घने कोहरे के संपर्क में रहने से अस्थमा, ब्रोंकाइटिस और फेफड़ों से संबंधित अन्य स्वास्थ्य समस्याओं से पीड़ित लोगों को सांस लेने में समस्या हो सकती है।

• आँखों में जलन: घने कोहरे में विभिन्न प्रकार के प्रदूषण होते हैं और हवा में मौजूद ये प्रदूषक आँखों की झिल्लियों में जलन पैदा कर सकते हैं जिससे विभिन्न संक्रमण हो सकते हैं जिससे आँखों में लालिमा या सूजन आ सकती है।

सुझाई गई कार्रवाई:

❖ परिवहन और विमानन:

- वाहन चलाते समय या किसी भी परिवहन से यात्रा करते समय सावधान रहें।
- वाहन चलाते समय फॉग लाइट का प्रयोग करें।
- अपनी यात्रा के कार्यक्रम के लिए एयरलाइन, रेलवे और राज्य परिवहन से संपर्क में रहें।

❖ विद्युत क्षेत्र:

- रखरखाव टीम को तैयार रखना।
- मानव स्वास्थ्य: आपातकालीन स्थिति को छोड़कर बाहर जाने से बचना और चेहरा ढकना चाहिए।

शीत लहर की परिस्थितियों के कारण संभावित प्रभाव: 02-04 तारीख के दौरान हिमाचल प्रदेश के कुछ इलाकों में; 03-05 तारीख के दौरान पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली में; 05 और 06 तारीख को राजस्थान में; और 01 जनवरी 2026 को तेलंगाना में इसकी बहुत ज़्यादा संभावना है।

- लंबे समय तक ठंड के संपर्क में रहने से फ्लू, नाक बहना/बंद होना या नाक से खून आना जैसी कई बीमारियों की संभावना बढ़ जाती है।
- कंपकंपी को नज़रअंदाज़ न करें। यह पहला संकेत है कि शरीर से गर्मी निकल रही है। घर के अंदर चले जाएं।
- लंबे समय तक ठंड के संपर्क में रहने से फ्रॉस्टबाइट हो सकता है। त्वचा पीली, सख्त और सुन्न हो जाती है और अंततः उंगलियों, पैर की उंगलियों, नाक और कान के निचले हिस्से जैसे खुले शरीर के अंगों पर काले छाले दिखाई देने लगते हैं। गंभीर फ्रॉस्टबाइट के लिए तत्काल चिकित्सा सहायता और उपचार की आवश्यकता होती है।
- कुछ स्थानों पर कृषि, फसल, पशुधन, जल आपूर्ति, परिवहन और बिजली क्षेत्र प्रभावित हो सकते हैं।

सुझावित उपाय:

- ❖ ढीले-ढाले, हल्के और गर्म ऊनी कपड़ों की कई परतें पहनें।
- ❖ अपने सिर, गर्दन, हाथों और पैरों को अच्छी तरह ढकें, क्योंकि शरीर के अधिकांश अंग इन्हीं से ऊष्मा खोते हैं। एक भारी कपड़े की परत के बजाय ढीले-ढाले, हल्के और गर्म ऊनी कपड़ों की कई परतें पहनें।
- ❖ पर्याप्त रोग प्रतिरोधक क्षमता बनाए रखने के लिए विटामिन-सी से भरपूर फल और सब्जियां खाएं और पर्याप्त मात्रा में तरल पदार्थ, अधिमानतः गर्म तरल पदार्थ पिएं।
- ❖ बाहरी गतिविधियों से बचें या उन्हें सीमित करें।
- ❖ शरीर को सूखा रखें; यदि गीला हो जाए, तो शरीर की ऊष्मा को कम होने से बचाने के लिए तुरंत कपड़े बदल लें। ऊष्मारोधी/जलरोधक जूते पहनें।
- ❖ शरीर के प्रभावित हिस्से को गुनगुने पानी से धीरे-धीरे गर्म करें; त्वचा को ज़ोर से न रगड़ें।
- ❖ यदि प्रभावित त्वचा का रंग काला पड़ जाए, तो तुरंत डॉक्टर से परामर्श लें।
- ❖ जहरीले धुएं को सांस में लेने से बचने के लिए हीटर का उपयोग करते समय वेंटिलेशन बनाए रखें।
- ❖ बिजली और गैस से चलने वाले हीटिंग उपकरणों का उपयोग करते समय सुरक्षा उपाय करें।
- ❖ संवेदनशील व्यक्तियों के लिए विशेष सावधानी आवश्यक है।
- ❖ ठंड से जमने/शीघ्रता से ग्रस्त व्यक्ति को यथाशीघ्र चिकित्सा सहायता लेनी चाहिए।
- ❖ पशुधन को ठंड से बचाएं।

शीत दिवस की परिस्थितियों के कारण संभावित प्रभाव: 31 दिसंबर को पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल और सिक्किम, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के कुछ इलाकों में कोल्ड डे की स्थिति बनने की बहुत ज़्यादा संभावना है; 01 जनवरी को पंजाब और हरियाणा चंडीगढ़ और दिल्ली में; और 31 दिसंबर और 01 जनवरी 2026 को बिहार में भी ऐसी ही स्थिति रहेगी।

लंबे समय तक शीत दिवस के संपर्क में रहने से फ्लू, नाक बहना/बंद होना या नाक से खून आना जैसी कई बीमारियों की संभावना बढ़ जाती है।

- कंपकंपी को नज़रअंदाज़ न करें। यह पहला संकेत है कि शरीर से गर्मी निकल रही है। घर के अंदर चले जाएं।
- लंबे समय तक ठंड के संपर्क में रहने से फ्रॉस्टबाइट हो सकता है। त्वचा पीली, सख्त और सुन्न हो जाती है और अंततः उंगलियों, पैर की उंगलियों, नाक और कान के निचले हिस्से जैसे खुले शरीर के अंगों पर काले छाले दिखाई देने लगते हैं। गंभीर फ्रॉस्टबाइट के लिए तत्काल चिकित्सा सहायता और उपचार की आवश्यकता होती है।
- कुछ स्थानों पर कृषि, फसल, पशुधन, जल आपूर्ति, परिवहन और बिजली क्षेत्र प्रभावित हो सकते हैं।

सुझावित उपाय:

- ढीले-ढाले, हल्के और गर्म ऊनी कपड़ों की कई परतें पहनें।
- अपने सिर, गर्दन, हाथों और पैरों को अच्छी तरह ढकें, क्योंकि शरीर के अधिकांश अंग इन्हीं से ऊष्मा खोते हैं। एक भारी कपड़े की परत के बजाय ढीले-ढाले, हल्के और गर्म ऊनी कपड़ों की कई परतें पहनें।
- पर्याप्त रोग प्रतिरोधक क्षमता बनाए रखने के लिए विटामिन-सी से भरपूर फल और सब्जियां खाएं और पर्याप्त मात्रा में तरल पदार्थ, अधिमानतः गर्म तरल पदार्थ पिएं।
- बाहरी गतिविधियों से बचें या उन्हें सीमित करें।
- शरीर को सूखा रखें; यदि गीला हो जाए, तो शरीर की ऊष्मा को कम होने से बचाने के लिए तुरंत कपड़े बदल लें। ऊष्मारोधी/जलरोधक जूते पहनें।
- शरीर के प्रभावित हिस्से को गुनगुने पानी से धीरे-धीरे गर्म करें; त्वचा को ज़ोर से न रगड़ें।
- यदि प्रभावित त्वचा का रंग काला पड़ जाए, तो तुरंत डॉक्टर से परामर्श लें।
- जहरीले धुएं को सांस में लेने से बचने के लिए हीटर का उपयोग करते समय वेंटिलेशन बनाए रखें।
- बिजली और गैस से चलने वाले हीटिंग उपकरणों का उपयोग करते समय सुरक्षा उपाय करें।
- संवेदनशील व्यक्तियों के लिए विशेष सावधानी आवश्यक है।
- ठंड से जमने/शीघ्रता से ग्रस्त व्यक्ति को यथाशीघ्र चिकित्सा सहायता लेनी चाहिए।
- पशुधन को ठंड से बचाएं।

ठंडी हवाओं / कम तापमान के संभावित असर के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

हिमाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक और तेलंगाना में, फसलों को कम तापमान के तनाव से बचाने के लिए शाम को खड़ी फसलों में हल्की और बार-बार सिंचाई करें। मिट्टी का सही तापमान बनाए रखने के लिए मल्चिंग का इस्तेमाल करें और सब्जियों की नर्सरी और छोटे फलों के पौधों को पुआल/पॉलिथीन शीट से ढक दें।

पशुधन / मुर्गी पालन

- मवेशियों को रात में शेड के अंदर रखें और उन्हें ठंड से बचाने के लिए सूखी बिस्तर दें।
- मुर्गी पालन शेड में कृत्रिम रोशनी देकर चूजों को गर्म रखें।

आंधी/तेज हवाओं के संभावित असर के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

तेज हवाओं के कारण गिरने से बचने के लिए बागवानी फसलों को यांत्रिक सहारा दें और सब्जियों और छोटे फलों के पौधों/फल देने वाले पौधों को सहारा दें।

किंवदंतियाँ एवं संक्षिप्ताक्षर:

- **भारी वर्षा:** 64.5-115.5 मिमी; **बहुत भारी वर्षा:** 115.6-204.4 मिमी; **अत्यधिक भारी वर्षा: >**204.4 मिमी।

मौसम विज्ञान उप-विभागों का क्षेत्रवार वर्गीकरण:

- **उत्तर-पश्चिम भारत:** पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड); पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- **मध्य भारत:** पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।
- **पूर्वी भारत:** बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- **पूर्वोत्तर भारत:** अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा।
- **पश्चिम भारत:** गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठावाड़ा।
- **दक्षिण भारत:** तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तर आंतरिक कर्नाटक, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और लक्षद्वीप।

राष्ट्रीय मौसम पूर्वानुमान केन्द्र
भारत मौसम विज्ञान विभाग
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

National Weather Forecasting Centre
India Meteorological Department
Ministry of Earth Sciences

LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसीमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आंतरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आंतरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप

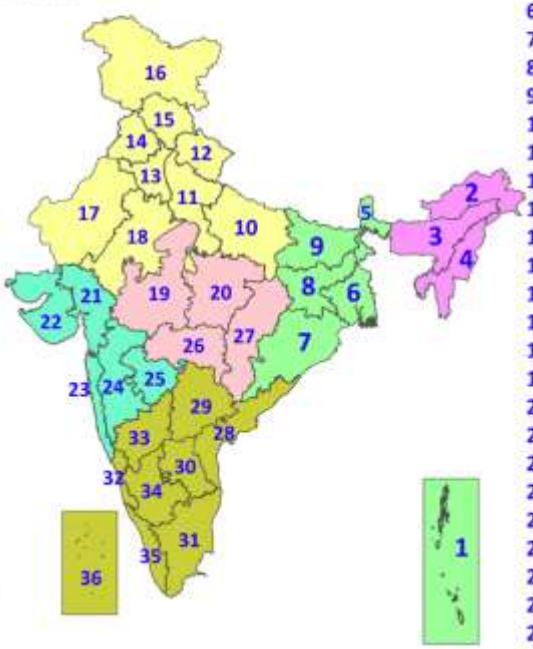

1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)

Fog
Heavy Rain
Very Heavy Rain
Extremely Heavy Rain
Thunder & Lightning
Hailstorm
Dust Raising Winds

Heavy Snow
Dust Storm
Heat Wave
Warm Night
Hot Day
Hot & Humid
Strong Surface Winds

Cold Wave
Cold Day
Ground Frost

COLOUR CODED WARNING

- No Warning (No Action)
- Watch (Be Aware)
- Alert (Be Prepared To Take Action)
- Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit https://mausam.imd.gov.in or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)